बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–**cm-495**
07/08/2026

बिहार संग्रहालय स्थापना दिवस– 2027 पर अंतर्राष्ट्रीय लोक कला प्रदर्शनी आयोजित करने का मुख्यमंत्री का निर्देश

मुख्य बिंदु :–

- मुख्यमंत्री ने बिहार संग्रहालय स्थापना दिवस–2026 का किया शुभारंभ।
- बिहार की संस्कृति, सभ्यता और लोक कला को वैश्विक पहचान दिलाना हमारी प्राथमिकता।
- युवाओं से लोक कला, सांस्कृतिक विरासत एवं भारतीय परंपराओं को अपनाने और आगे बढ़ाने की अपील।

पटना 07 अगस्त 2026 :– मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने आज बिहार संग्रहालय स्थापना दिवस–2026 का दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने बिहार संग्रहालय द्वारा प्रकाशित दो पुस्तकों का लोकार्पण किया। पटना संग्रहालय में लगायी गयी मिथिला कला पर आधारित कालजयी चित्रकला प्रदर्शनी का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने बिहार संग्रहालय के बहुउद्देशीय सभागार में भारत के कालजयी कलाकारों तथा लोक कला पर आधारित अस्थायी प्रदर्शनी का भी फीता काटकर उद्घाटन किया।

कार्यक्रम में बिहार संग्रहालय के महानिदेशक श्री अंजनी कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री का पुष्प–गुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत किया। राष्ट्रीय आधुनिक कला दीर्घा, नई दिल्ली के महानिदेशक डॉ0 संजीव किशोर गौतम ने मुख्यमंत्री को श्रीमद्भगवद् गीता भेंटकर उनका अभिनंदन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार संग्रहालय स्थापना दिवस के अवसर पर देश के विभिन्न भागों से आए पद्मश्री सम्मानित कलाकारों एवं प्रख्यात कला साधकों का बिहार की धरती पर स्वागत है। बिहार ने भारत को स्वर्णिम काल दिया है और यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है। बिहार की सांस्कृतिक विरासत, कला, इतिहास और ज्ञान परंपरा विश्व के लिए प्रेरणास्रोत रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के प्रयासों से बिहार संग्रहालय का निर्माण संभव हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी बिहार संग्रहालय का भ्रमण कर इसकी विश्वस्तरीय संरचना और प्रदर्शित कलाकृतियों की सराहना की थी। पटना स्थित बुद्ध स्मृति पार्क भी अपनी विशिष्ट पहचान के लिये जाना जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार भाषाई एवं सांस्कृतिक विविधता का अद्भुत केंद्र है। भोजपुरी, मैथिली, मगही, वज्जिका और अंगिका जैसी समृद्ध भाषाएं, माता सीता, बाबा हरिहरनाथ तथा मौर्यकालीन सांस्कृतिक विरासत बिहार की अमूल्य धरोहर हैं। प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय भारत की गौरवशाली ज्ञान परंपरा का प्रतीक था, जिसे आक्रांताओं ने नष्ट कर दिया था। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में नालंदा विश्वविद्यालय का पुनर्स्थापन भारत की सांस्कृतिक और शैक्षणिक विरासत के पुनर्जागरण का प्रतीक है। युवाओं से आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे लोक कला, सांस्कृतिक विरासत एवं भारतीय परंपराओं को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। वर्ष 2027 में आयोजित होने वाले बिहार संग्रहालय स्थापना

दिवस समारोह में अंतर्राष्ट्रीय लोक कलाओं को भी प्रदर्शित किया जाए ताकि बिहार की संस्कृति, सभ्यता और लोक कला को वैश्विक मंच पर नई पहचान मिल सके।

कार्यक्रम को कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ0 प्रमोद कुमार, बिहार संग्रहालय के महानिदेशक श्री अंजनी कुमार सिंह तथा कला एवं संस्कृति विभाग के सचिव श्री प्रणव कुमार ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ0 प्रमोद कुमार, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री श्री संजय कुमार सिंह, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री श्री लखेन्द्र कुमार रौशन, बिहार संग्रहालय के महानिदेशक श्री अंजनी कुमार सिंह, मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के सचिव श्री लोकेश कुमार सिंह, कला एवं संस्कृति विभाग के सचिव श्री प्रणव कुमार, सूचना एवं जन–संपर्क विभाग के सचिव श्री नवीन कुमार, सूचना एवं जन–संपर्क विभाग के निदेशक श्री अनिल कुमार, जिलाधिकारी श्री कुंदन कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी, देश के विभिन्न हिस्सों से आए कलाकार, कला प्रेमी उपस्थित थे।

****